SET - I

IX-09H(A)

SUMMATIVE ASSESSMENT - III (2016- 17)

Second Language - HINDI

Part - A & B

Class : IX **(Max. Marks : 80)** **Time : 2.45 Mts.**

---

1. 1) सुनीता विलियम्स का पालन पोषण बोस्टन के समीप हुआ।
2) सुनीता विलयिम्म के पिा डाक्टर थे।
3) हार्वर्ड कैंब्रिज क्षेत्र है।
4) सुनीता विलियम्स के पिता बास्टन विश्वविद्यालय में पढ़ाते थे।
5) यह गंधांश 'सुनीता विलियम्म' पाठ ये दिया गया हैं।

2. 1. A) मालवीय जी और वाजपेय जी को
2. D) 25 दिसंबर 1861को
3. B) मालवीय जी
4. C) श्री प्रभु नारायण सिंह जी
5. A) कुपूत

3. 1) कवयित्री के जीवन को आशा प्रतिक्षण आलेकित करती है।
2) असफलता स्वर्ण सूत्र से वलचित है।
3) कवयित्री विश्वास, प्रेम और साहस को अपने जीवन के साथी कहती हैं।
4) मेघ / घन / जलद / नीरद
5) यह पद्यांश 'मेग जीवन' कविता पाठ से दिया गया है।

4. 1. C) बचपन को
2. D) नंदन वन सी
3. B) मिट्टी
4. A) छोटी
5. B) माता

II. 5. शैलेंद्रकुमार प्रसिद्ध फिल्मी गीतकार हैं।
उनका जीवन काल के बीच हैं।
आप तीन बार फिल्मफेयर अवार्ड से सम्मानित हैं।

6. सुभद्रा कुमारी के जीवन में सुख सार दिखता हैं।
उस के जीवन में फल-फल सोना बरसा करता हैं।
उस के जीवन में उत्साह, उमंग निरंतर बहते रहते हैं।
उस के जीवन को प्रतिक्षण आशा आलोकित करती हैं।

7. वर्षा के पानी का, सुफयोग करना चाहिए।
   गड्ढे खोदकर वर्षा के पानी को बनाना चाहिए।
   जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचाना चाहिए।
   पानी को व्यार्थ नहीं करना चाहिए।
8. अच्छी संगति से मानव को उत्तम पथ-प्रदर्शन मिलता है।
   उत्तम जीवन बिताने में सहायता मिलती है।
   उत्तम संगति से लक्ष्य प्राप्ति में सहायता मिलती है।
   जीवन आदर्शमय बनता हैं।
9. बुद्धिमता से असंभव कार्य भी संभव होते है।
   बुद्धिमता का आयु से कोई संबंध नहीं है।
   बालक चंद का थैर्न, चतुरता सब के लिए अनुकरणीय है।
10. बच्चों ओस की बूँदों की तरह शुद्द और पवित्र होते है।
    बच्चों के विचारों को मान्यता देनी चाहिए।
    बडो के विचारों को बच्चों पर लादना नहीं चाहिए।
    प्यार और दुलार से बालक में छिपी प्रतिभा निकाल सकते हैं।

III. 11. प्रकृति की सीख कविता के कवि श्री सोहनलाल इविवेरी हैं।
प्रकृति के कण-कण में कुछ न कुछ संदेश छिपा होना हैं।
पर्वत हमें जीवन में उच्चस्थान प्राप्त करने का संदेश देता हैं।
सागर हमें दृढ.चित, और गंभीर रहने का संदेश देता है।
तरल तरंग हमें बताता है कि जीवन सुख-दुःखों का संगम हैं। मन में मीठे-मीठे मृदुल उमंग भरकर आगे बढ़ता हैं।
पृथ्वी हमें समस्याओं से न डरकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।
नभ हमें अच्छे कामों के द्वारा दुनिया में नाम कमाने का संदेश देता हैं।

12. दुःख में ही नहीं सुख में भी भगवान का स्मरण करना चाहिए।
कुछ काम ऐसे होते हैं। जिन को पूरा करने में समय लगता हैं। शांत चित से प्रतीक्षा करना चाहिए।
जीवन में तृप्ति की आवश्यकता है। धन के पीछे दौड़ना नहीं चाहिए। मेहमानों का आदर सत्कार करना चाहिए।
उत्तम लोगों की संगति से हम में बी उत्तम गुणों का विकास होना है।
हम जैसे काम करते है वैसे ही फल पाते है। अच्छे काम करके अच्छे फल प्राप्त करना हैं।
अभ्यास या श्रम ही सफलता की कुंजी है।

IV. 13. हर वर्ष १५ मार्च को विश्व उपभोकता अधिकार दिवस मनाते हैं।
उस दिन सरकार और गैर सरकारी संस्थाएँ विविध कार्यक्रमों के द्वारा उपभोक्ताओं को सचेत करते हैं।

जागरुक उपभोक्ता को सामान खरीदते या सेवा प्राप्त करते समय रसीद या बिल जरुर लें।
आई.एस.आई या एगमार्क अंकित वस्तुओं का चुनाव करें।
नकली वस्तुओं के प्रति सभेत रहें।
उपभोकता मंत्र के बारे में जानकारी प्राप्त करें।
सुरक्षा, सूचना, वस्तु का चुनाव, सुविधा न मिलने पर सुनवाई, क्षति-पूतिज्ञ तथा अधिकारों के लिए जागरुक शिक्षित होना हर उपभोक्ता का कर्तव्य एवम्र अधिकार हैं।

14. समाज में किसान व मजदूरों का महत्वपूर्ण स्थान है।

गानेवाली चिडिया के मधुर गान से सक्षी मुग्ध हो गये।

महाराजा उसे अपने महल में बडे प्यार से पालने लगे।

चिडिया एक दिन राज महल के सुखों का प्याग कर किसानों और मजदूरों को संगीत सुनाने चली गयी।

चिडिया की अनुपस्षिनि में राजा अस्वस्य हो गया।

राजा की स्थिति जानकर चिडिया महल में वापस आयी।

उस के मधुर गाने से राजा स्वस्य हो गये।

चिडिया ने राजा को समझाया कि मजदूर और किसान हमारे सुखदाता और अन्नदाता हैं। उनके बारे में सोचना और उनकी सहायता करना हमारा कर्तव्य है।

राजा उनकी बातों से सहमत हुए।

V. 15.

स्थान - ½
दिनांक - ½
संबोधन - ½
विषय - 2
समाप्ति - ½
पता - 1
कुल - **5**

16.

स्थान - ½
दिनांक- ½
प्रेषक का पता - ½
प्रेषिति का पता - ½
संबोधन- ½
विषय - 2
अभिनिवेदन - ½

VI. 17.

रूपरेखाः

प्रस्तावना	- 1
विषय प्रवेश	- 1
विषय विस्तारण	- 2
उपसंहार	- 1
कुल	**5**

18.रूपरेखाः

प्रस्तावना	- 1
विषय प्रवेश	- 1
विषय विस्तारण	- 2
उपसंहार	- 1
कुल	**5**

SET - I

IX-09H(B)

SUMMATIVE ASSESSMENT - III (2016- 17)

Second Language - HINDI

PART - B

CLASS : IX **(Max . Marks : 20)**

---

1. B) शक्ति
2. D) मुश्किल
3. A) आग
4. B) प्र
5. C) ता
6. A) आत्मा + अनुशासन
7. D) अव्ययीभाव समास
8. A) तेरह सौ अठानवे
9. B) चीता
10. C) मैं
11. D) नये
12. D) छेडा था
13. B) अचानक
14. A) बच्ची मैदान में खेलती है।
15. B) मेरी शुभकामनाएँ सदा तुम्हारे साथ रहेंगी।
16. C) का
17. D) मुझे पुस्तक चाहिए।
18. A) फुटबाल सचाई का खेल है।
19. B) भूत काल
20. C) अत्यधिक सुन्दर बनाना